भारतीय नौसेना का साल 2022 के लिए बढ़ाया गया बजट

बजट

भारत ने साल 2022 के लिए कुल रक्षा बजट को बढ़ाकर 5.25 लाख करोड़ कर दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चीन और पाकिस्तान की सेना के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत ने साल 2022 के लिए कुल रक्षा बजट को बढ़ाकर 5.25 लाख करोड़ कर दिया है। यह साल 2021–22 में 4.78 लाख करोड़ था। इस बार के रक्षा बजट में भारतीय सेना से ज्यादा भारतीय नौसेना के लिए बजट रखा गया है। सेना के लिए जहां 32,015 करोड़ दिए गए हैं, वहीं भारतीय नौसेना के लिए 47,590 करोड़ आंवटित किया गया है। भारत ने नौसेना के रक्षा बजट में यह बढ़ोत्तरी ऐसे समय पर की है जब चीन और पाकिस्तान की नौसेनाएं हिंद महासागर के लिए नापाक मंसूबा बनाए हुए हैं।

दरअसल, दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना बना चुका चीनी ड्रैगन लगतार हिंद महासागर पर टेढ़ी नजरें गड़ाए हुए है। चीन की नौसेना के जहाज लगातार दक्षिण चीन सागर से लेकर अफ्रीका के जिबूती तक गश्त लगा रहे हैं। माना जा रहा है कि दक्षिण चीन सागर पर कब्जे के बाद चीन की नजर हिंद महासागर पर होगी जो भारतीय प्रभाव वाला समुद्री क्षेत्र माना जाता रहा है। चीन ने इसके स्पष्ट संकेत भी दे दिए हैं। ड्रैगन पाकिस्तान के ग्वादर में नौसैनिक अड्डा बना रहा है। वहीं जिबूती में उसका नेवल बेस पहले से ही मौजूद है।

भारतीय नौसैनिक जहाज पहले से ज्यादा लगा रहे गश्तः चीन, श्रीलंका और मालदीव में भी भविष्य में अपनी नौसैनिक गतिविधि को बढ़ाना चाहता है। यही नहीं चीन ने हाल ही में म्यांमार को अपनी पनडुब्बी भी दी है। चीन के व्यापारिक जहाज अब सिंगापुर से माल लेकर बंगाल की खाड़ी में म्यांमार तक जाने लगे हैं। इससे चीन को भारत की नाक के नीचे अपनी गतिविधियों को चलाने का मौका मिल गया है। भारत ने इसी खतरे को भांपते हुए अपने युद्धपोतों को पहले की तुलना में ज्यादा गश्त पर भेजना शुरू कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार इतने ज्यादा जंगी जहाज भारत के आसपास के समुद्र में गश्त लगा रहे हैं। चीन और पश्चिमी देश जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया अब हिंद महासागर में अपनी गश्त को बढ़ा रहे हैं। भारतीय नौसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक हिंद महासागर में अब हर समय 125 विदेशी जंगी जहाज मौजूद रहते हैं। यह 11 सितंबर को अमेरिका में आतंकी हमले के बाद तैनात किए गए जंगी जहाजों की तुलना में 3 गुना ज्यादा है।

चीन की तुलना में भारत के पास मात्र एक तिहाई जंगी जहाजः भारतीय नौसेना के अधिकारियों का कहना है कि वे फिलहाल खतरे से निपटने के लिए आश्वस्त हैं लेकिन फंडिंग की कमी की वजह से वे चीन और अन्य देशों के साथ मुकाबला करने की क्षमता को खतरा पैदा हो गया है। समुद्र को नियंत्रित करने के लिए बेहद जरूरी भारतीय सबमरीन अब दो दशक पुरानी पड़ गई हैं। भारत अपने युद्धपोतों की संख्या को बढ़ाकर 200 करना चाहता है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिकी दबाव में नहीं झुका भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन की स्थिति पर बैठक से पहले चीन के प्रक्रियागत मतदान के खिलाफ मत देने और इसमें भारत, केन्या एवं गैबॉन के अनुपस्थित रहने पर रूस ने 'मतदान से पहले अमेरिकी दबाव के बावजूद डटे रहने' पर चारों देशों को शुक्रिया अदा किया। भारत ने यूक्रेन सीमा पर 'तनावपूर्ण हालात' को लेकर चर्चा के लिए होने वाली बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रक्रियागत मतदान में भाग नहीं लिया था।

संयुक्त राष्ट्र में रूस के प्रथम उप स्थायी प्रतिनिधि दमित्रि पोलिंस्की ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस–ग्रीनफील्ड के एक ट्वीट के जवाब में ट्विटर पर लिखा, 'जैसा हमने उम्मीद की थी, यह एक जनसंपर्क हथकंडे के अलावा और कुछ नहीं था। यह मेगाफोन डिप्लोमेसी (सीधे बातचीत करने के बजाय विवादित मामले में सार्वजनिक बयान देने की कूटनीति) का उदाहरण है। कोई सच्चाई नहीं, केवल आरोप और निराधार दावे।'

पोलिंस्की ने कहा, 'यह अमेरिकी कूटनीति का सबसे खराब स्तर है। अपने चार सहयोगियों चीन, भारत, गैबॉन और केन्या का धन्यवाद, जो मतदान से पहले अमेरिकी दबाव के बावजूद डटे रहे।'

कश्मीर में साजिश के लिए तुर्की बना आईएसआई का नया गढ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। कश्मीर में आतंकवादी हमले में लगातार मुंह की खा रहे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अब तुर्की के सहारे भारत के खिलाफ साजिश रचने के लिए एक नई चाल चली है। तुर्की अब जम्मू–कश्मीर में प्रभाव बढ़ाने के लिए नया दुबई बनकर उभरा है। इस ताजा घटनाक्रम से भारतीय खुफिया एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान परस्त तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान की मदद से आईएसआई भारतीय मुसलमानों में अपनी पैठ बढ़ाना चाह रहा है और भारत की विदेश नीति के बारे में संदेह पैदा करना चाहता है। इससे पहले आईएसआई यूएई और सऊदी अरब के जरिए भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देती थी।

अपने देश में बच्ची को जन्म देंगी न्यूजीलैंड की गर्भवती पत्रकार, घर लौटने के लिए तैयार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। न्यूजीलैंड की एक गर्भवती पत्रकार जो अपने देश की कोविड–19 बॉर्डर पॉलिसी के चलते अफगानिस्तान में फंस गई थी, अब अपने घर लौटने के लिए तैयार है। महिला पत्रकार ने मंगलवार को कहा कि वह उसकी सरकार की ओर से आखिरकार उसे वापसी का रास्ता दिए जाने के बाद वह अपने घर लौट सकेगी। इससे पहले न्यूजीलैंड के अधिकारियों ने जोर देकर कहा था कि शार्लट बेलिस को देश के क्वारंटीन होटल में एक स्पॉट के लिए दोबारा अप्लाई करने की आवश्यकता है।

न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री ग्रांट रॉबर्टसन ने कहा कि बेलिस को एक कमरे के लिए वाउचर की पेशकश की गई है। गर्भवती पत्रकार बेलिस ने कहा, शर्मे अपनी बच्ची को जन्म देने के लिए मार्च की शुरुआत में अपने देश न्यूजीलैंड लौटूंगी। हम घर लौटने और इस खास समय में अपने दोस्तों और परिवार के साथ होने के लिए बेहद उत्साहित हैं।श बेलिस का मामला एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन गया है जिसके चलते न्यूजीलैंड सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

मार्च में घर लौटेगी 25 हफ्ते की गर्भवती महिला पत्रकार

न्यूजीलैंड के हजारों नागरिक विदेशों में फंसे हुए हैं और अपने देश लौटने के लिए क्वारंटीन होटलों के खुलने का इंतजार कर रहे हैं। बेलिस ने कहा कि वह न्यूजीलैंड वासियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहती हैं। वह सरकार को सीमा नियंत्रण का कोई उपाय ढूंढ़ने के लिए चुनौती देना जारी रखेंगी। रविवार को उन्होंने बताया कि वह हर दिन एक लड़ाई लड़ रही थीं। 25 हफ्तों की गर्भवती पत्रकार ने न्यूजीलैंड लौटने के लिए लॉटरी सिस्टम से लेकर आपातकालीन वापसी के लिए आवेदन जैसे तरीके अपनाए लेकिन सरकार ने उन्हें मंजूरी नहीं दी। न्यूजीलैंड के क्वारंटीन सिस्टम के प्रमुख क्रिस बनी ने कहा कि बेलिस को एक नया प्रस्ताव दिया गया क्योंकि अफगानिस्तान बेहद खतरनाक है और वहां आतंकवाद का खतरा है।

राष्ट्रपति बाइडन बोले– बिना शर्त सीधी वार्ता करना चाहते हैं हम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। उत्तर कोरिया द्वारा किए गए किए गए सबसे बड़े मिसाइल परीक्षण का असर अब साफतौर पर दिखाई देने लगा है। सोमवार को तड़के किए गए इस बैलेस्टिक मिसाइल टेस्ट के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि वो उत्तर कोरिया से बिना शर्त बात करना चाहता हैं। इसको देखते हुए लगने लगा है कि उत्तर कोरिया के मिसाइल टेस्ट से अमेरिका पर बातचीत का दबाव भी बढ़ रहा है। आपको बता दें कि उत्तर कोरिया द्वारा किए गए इस मिसाइल टेस्ट को वर्ष 2017 के बाद सबसे बड़ा टेस्ट बताया जा रहा है। वहीं जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया इस वक्त को अपने लिए काफी बेहतर समझ रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका महामारी और रूस–यूक्रेन के बीच घिरा हुआ है। ऐसे में उत्तर कोरिया जल्द से जल्द इस काम को अंजाम दे रहा है। जानकारों का ये भी कहना है कि उत्तर कोरिया चाहता है कि उसकी मिसाइलों को दुनिया एक ताकत के रूप में माने।

न्यूज डायरी

यूएई में रहने वाला पाकिस्तानी कारोबारी दाऊद इब्राहिम का पार्टनर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि खाड़ी में रहने वाला पाकिस्तानी कारोबारी उमर फारूक जहूर मुंबई धमाकों के आरोपी दाऊद इब्राहिम का पार्टनर है। पाकिस्तान के लिए यह बड़ी शर्मिंदगी की बात है। पाकिस्तानी पत्रकार और विश्लेषक रिजवान रजी की ओर से पाकिस्तान में अपलोड किए गए एक वीडियो में कहा गया है कि फारूक जहूर वांछित आतंकवादी दाऊद इब्राहिम का साथी है। भारत लगातार सवाल उठाता रहा है कि दाऊद कहां है, जबकि पाकिस्तान ने कहा है कि वह इस मुल्क में नहीं है। रजी ने कहा कि जांच पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी और एफआईए प्रमुख सनाउल्लाह अब्बासी द्वारा दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि जहूर दाऊद का साथी है। रजी ने कहा कि इससे इंटरपोल अब्बासी से पूछ सकता है, क्योंकि कई नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि पाकिस्तान दावा कर रहा है कि दाऊद वहां नहीं है।

कोरोना के खिलाफ जंग में भारत के योगदान को ब्लैक काकस ने सराहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के ब्लैक काकस ने कोरोना महामारी की संकट को दूर करने के वैश्विक प्रयासों के साथ–साथ कम से कम 38 देशों के साथ 80 लाख से अधिक वैक्सीन साझा करने के लिए भारत की सराहना की। बता दें कि ब्लैक काकस के कई सांसद हैं जो बाइडन प्रशासन में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी इसी काकस से हैं। ब्लैक काकस की अध्यक्ष और सांसद जायस बीट्टी ने अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू को लिखे एक पत्र में कहा, मैं आपकी सरकार के प्रयासों की सराहना करता हूं क्योंकि इसने कम से कम 38 देशों के साथ 80 लाख से अधिक टीका निस्वार्थ रूप से साझा किया है। बीट्टी ने आगे कहा कि भारत ने अफ्रीकी देशों कांगो, बोत्सवाना, इस्वातिनी, मोजाम्बिक, युगांडा, मलावी, सेनेगल, रवांडा, केन्या, आइवरी कोस्ट, घाना, नामीबिया, मारीशस और सेशेल्स को टीके दिए हैं।

कनाडा के ट्रक चालक दे रहे घृणाभरे भाषण, नहीं करूंगा मुलाकात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। भारत में किसानों के मुद्दे पर बिना मांगी सलाह देने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने राजधानी ओटावा में 50 हजार ट्रक चालकों की ओर से किए जा रहे प्रदर्शन पर चुप्पी तोड़ी है। कनाडा के पीएम ने कहा कि ये ट्रक चालक घृणा से भरे भाषण दे रहे हैं और इस वजह से वह फ्रीडम कॉनवॉय से मुलाकात नहीं करेंगे। कोरोना पॉजिटिव हो गए ट्रूडो ने कहा कि इन ट्रक वालों से मिलने की बजाय वह ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन के लोगों से मुलाकात करना पसंद करेंगे। ट्रूडो ने एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, पिछले कुछ दिनों से कनाडा के लोग स्तब्ध हैं और ईमानदारी से कहूं तो राष्ट्रीय राजधानी में किए जा रहे प्रदर्शन में कुछ लोगों के व्यवहार से वे घृणा करने लगे हैं।

ताइवान के एयर डिफेंस जोन में घुसे चीन के पांच मिलिट्री विमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। चीन के विमान लगातार ताइवान के हवाई क्षेत्र में जाकर आपसी तनाव को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। चीन के पांच सैन्य विमान ताइवान के एयर डिफेंस जोन में घुस गए। चीन के विमानों के इस तरह से ताइवान के एयर डिफेंस में घुसने की ये जनवरी की 24वीं घटना थी। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया है कि चीन की पीएलए एयरफोर्स के शेनयांग जे–16 फाइटर जेट, एक शेनयांग जे–16डी इलेक्ट्रानिक वारफेयर प्लेन और एक शांग्जी केजे–500 अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट ताइवान के एयर डिफेंस जोन के दक्षिण पश्चिम में घुसे। ताइवान ने भी चीन के इस दुस्साहस का तुरंत जवाब देने के लिए अपने विमानों को उनके पीछे भेजा और रेडियो वार्निंग भी जारी की। इसके अलावा इन विमानों पर निगरानी रखने के लिए एयर डिफेंस को भी तैनात किया। चीन के विमान आए दिन ताइवान की हवाई सीमा का उल्लंघन करते हैं।